एक नजर में

रंगारंग प्रस्तुति के साथ गोकुलदास पब्लिक स्कूल के समर कैंप का समापन

खरगोन, निप्र। गोकुलदास पब्लिक स्कूल, खरगोन में आयोजित 21 दिवसीय समर कैंप 2026 का समापन 22 मई, शुक्रवार को बड़े उत्साह एवं रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी अभिभावकों का मन मोह लिया। विद्यालय के डायरेक्टर श्री आयुष महाजन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि समर कैंप बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच एवं व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत उपयोगी मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय की उपप्राचार्या श्रीमती जेमिला मेंडिस ने बताया कि कैंप में बच्चों ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ सहभागिता की। विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के अंत में कैम्प संयोजक सावन रघुवंशी ने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। उपस्थित अभिभावकों ने कहा कि यह समर कैंप विद्यार्थियों के लिए यादगार एवं प्रेरणादायक रहा।

कसरावद के सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की कमी से मरीज हो रहे परेशान

कसरावद, निप्र। कसरावद के शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की भारी कमी के चलते मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। स्वीकृत पदों के मुकाबले अस्पताल में गिनती के डॉक्टर ही मौजूद हैं।

मौजूदा स्थिति :- अस्पताल में फिलहाल सिर्फ तीन डॉक्टर ही मौजूद थे - एक महिला डॉक्टर, एक पुरुष डॉक्टर और डॉ. चंद्रेश दीक्षित। बाकी पदस्थ डॉक्टर लंबे समय से नदारत हैं। ओपीडी में रोज ज्यादा मरीज आते हैं, लेकिन स्टाफ कम होने से 2-3 घंटे इंतजार करना पड़ रहा है।

मरीजों की परेशानी :- इमरजेंसी में रात के समय डॉक्टर नहीं मिलने से गंभीर मरीजों को खरगोन या इंदौर रेफर करना पड़ता है। प्रसूता महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। स्थानीय निवासीयो ने बताया, 'सुबह 8 बजे से लाइन में लगे हैं, 12 बज गए पर नंबर नहीं आया। डॉक्टर कम हैं तो क्या करें।' डाक्टर नदारत होने के कारण मरीज परेशान होते हैं प्रशासन से मांग नगर के सामाजिक संगठनों ने सीएमएचओ खरगोन से तुरंत डॉक्टरों की पदस्थापना की मांग की है। साथ ही अनुपस्थित डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग भी उठ रही है। कसरावद ब्लॉक की 2 .5 लाख आबादी का स्वास्थ्य सिर्फ 3 डॉक्टरों के भरोसे है।

बिजली नहीं, सूख रही कपास की फसल किसानों ने दी चक्काजाम की चेतावनी

कसरावद, निप्र। ग्राम सामेड़ा तहसील कसरावद के किसानों ने सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिलने पर गहरा आक्रोश जताया है। किसानों का कहना है कि वर्तमान में लगातार हो रही लोड शेडिंग और कम वोल्टेज की समस्या के कारण खेतों तक न तो पर्याप्त बिजली पहुंच पा रही है और न ही मोटर सही तरीके से चल पा रही हैं। इसका सीधा असर कपास की फसल पर पड़ रहा है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समस्त कृषकगण ने उपयंत्री, म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, मण्डलेश्वर उपकेन्द्र मुलठान को ज्ञापन सौंपते हुए जल्द समस्या समाधान की मांग की है। किसानों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। किसानों ने यह भी कहा कि क्षेत्र के लाइनमैन अजय कुशवाह द्वारा भी किसानों की समस्याओं और शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे किसानों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि चार दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र के किसान सामेड़ा फाटा स्थित कसरावद-पिपलगोन मुख्य मार्ग पर चक्काजाम करेंगे।

'हर जगह लाइन में लगते हैं किसान, लेकिन बिजली की लाइन ही सही नहीं चलती' : देवेंद्र राठौड़ :- किसान देवेंद्र राठौड़ ने कहा कि 'किसान जब बीज और खाद लेने जाता है तब भी लाइन में लगना पड़ता है, फसल बेचने जाता है तब भी लाइन में खड़ा रहना पड़ता है, लेकिन जब किसानों की बिजली लाइन की बात आती है तब व्यवस्था पूरी तरह फेल हो जाती है।' उन्होंने कहा कि सिंचाई के समय बिजली कटौती से किसानों की मेहनत पर पानी फिर रहा है और कपास की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है।

व्हाट्सएप से आते हैं आदेश, लिखित निर्देश नहीं : सुपरवाइजर :- मामले में जब किसानों ने विद्युत विभाग के सुपरवाइजर रविन्द्र बघेल से सवाल किए तो उन्होंने बताया कि 'जो भी आदेश आते हैं, ऊपर से आते हैं और हम उसी के अनुसार काम करते हैं।' किसानों द्वारा लिखित आदेश दिखाने की मांग पर सुपरवाइजर ने स्वीकार किया कि सिंचाई लाइन काटने संबंधी कोई लिखित आदेश नहीं आते, बल्कि अधिकांश निर्देश व्हाट्सएप के माध्यम से दिए जाते हैं। बड़ी संख्या में किसान पहुंचे ज्ञापन सौंपने और विरोध दर्ज कराने पहुंचे किसानों में देवेंद्र राठौड़, निखिल पटेल, संजय पाटीदार, दीपक, लखन, मनोज पटेल, संजय सोलंकी, राकेश दरबार, नरेंद्र मोये, राम पटेल, अर्जुन चौहान, बबन पटेल, अजय, राहुल, जितेंद्र, भारत पटेल, पवन पटेल, विक्की, योगेश, अक्कू, लालू, हेमेंद्र पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों में बढ़ रहा आक्रोश लगातार बिजली संकट, कम वोल्टेज और प्रशासनिक उदासीनता से किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा, जिसकी पूरी

नर्मदा कॉलोनी में गंदगी का भंडार

पंचायत और जनपद पंचायत में अनेक आवेदन दिए हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं ...

नवभारत न्यूज

बड़वाह, निप्र । बड़वाह कस्बा पंचायत की नर्मदा कॉलोनी में लगातार जन सुनवाई खरगोन में रूबरु उपस्थित होकर आवेदन देकर समस्याएं बताई हैं, लेकिन कोई समाधान नही हुआ है..विगत पांच सालो से यह गंदगी यथावत है। जिसके समाधान की नितांत आवश्यकता है। गंदे पानी की समुचित निकासी नहीं होने से बारिश में यह कालोनी एक माह तक जलमग्न रहती है व गदंगी का अम्बार हो जाता है।

वसुधा कॉलोनी का ड्रेनेज पानी भी बारिश में छोड़ा जाता है, जिससे जलभराव बढ़ जाता है। पंचायत व जनपद पंचायत मे अनेक आवेदन

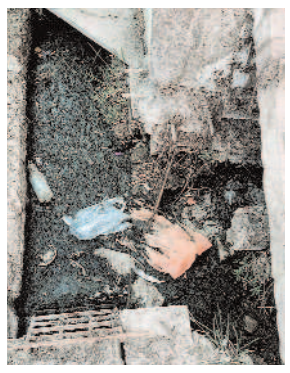

दिये है लेकिन कोई सुनवाई नही होती है। पंचायत नर्मदा कालोनी को अवैध बताती है जबकि पंचायत की अनुमति से.80 मकान बने होकर 300 परिवार रहते है। विधायक महो. को भी सभी समस्याओं से अवगत कराया लेकिन कोई समाधान नही हुआ है। गंदे पानी की नालीयो को पंचायत स्वीपर नही भेजती है..चार साल से हम लोग जनसहयोग से निजी पैसे से सफाई कराते है..गंदे पानी की निकासी के बड़े पाईप मेन हाईवे पर हमने डेढ़ लाख रू जन सहयोग से राशि एकत्र कर एक साल पहले पाईप डलवाये है. यह राशि जनपद पंचा. व पंचायत से नही मिली है. तात्कालिन सीईओ डोगरे मैडम व झेटपी महो. ने ये राशी हमे वापस देने का आश्वासन भी दिया था जो अभी तक वापस नही दिये हैं। जनपद इंजीनियर मिश्रा ने पाईपों का स्टीमेट भी नही बनाया है। डेढ़ लाख हमे वापस तत्काल चाहिए. छात्रावास के पीछे 500 फीट लम्बाई व 15 फूट चौडाई का सिमेन्टीकरण रोड भी नही बना है.आवागमन मे बहुत बाधा हो रही। मेन रोड पर ट्यूबवेल लगी है उसे ढककर पड़ोस मे सुरक्षित स्थान पर स्थापित किया जाये. जिससे आवागमन मे सुविधा हो सके। अवैध मेकल कालोनी पडोस मे है उनकी गंदे पानी की नाली हमारी नर्मदा कालोनी की नाली मे जोड़ने से भी गंदगी बनी रहती है. जबकि सफाई की जिम्मेदारी कालोनाइजर ने ली है। अब उस नाली को भी तत्काल बंद किया जाये ।

आंदोलन की चेतावनी

एलआईसी के नवीन भवन निर्माण के कारण पांच कांलोनियों का पानी अवरुद्ध कर दिया है। अनेकों बार सीएम हेल्पलाइन भी की पर समाधान कुछ भी नहीं। अभी भी 22 सीएम हेल्पलाइन निरंतर जारी है। समाधान की उम्मीद नजर नही आ रही है। कॉलोनी वासी हताश हो गए हैं .गंदगी के साम्राज्य को समाप्त करने के लिए नपा अध्यक्ष- पुष्पेन्द्र रावल . उपाध्यक्ष- भाईराम चौहान . सचिव-डा .रतनलाल बिरले . सरंक्षक -सुनील मोर्या व रंजन उपाध्याय, डा .दिनेश चतुर्वेदी व अन्य ने मांग की है . नहीं तो चक्काजाम आंदोलन करेंगे।

बेटे की हत्या के आरोप में पिता को आजीवन कारावास

खरगोन, निप्र । बेटे के खेत में हल चलाने से इंकार करने की बात पर तैश में आकर अपने ही बेटे की कुल्हाड़ी से हत्या के आरोपी पिता को न्यायालय ने आजीवन कारावास से दंडित किया है। पैरवीकर्ता राजकुमार अत्रे अतिरिक्त लोक अभियोजक ने बताया कि रूमसिंह ने 6 दिसंबर 2024 को अपने बेटे हीरालाल को खेती, काम-धंधे की बात कही, लेकिन उसने अनसुना कर दिया।

इसके बाद हीरालाल ने सुबह फिर खेत में हल चलाने से इंकार कर दिया,जिससे पिता-पुत्र के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद शाम 5 बजे हीरालाल को घर के बाहर खटिया पर सोता देख, पिता रुमसिंह ने हीरालाल की गर्दन पर कुल्हाड़ी से तीन-चार वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही

मौत हो गई। मृतक हिरालाल की भोजाई शर्मिला पति सुखराम ने अभियुक्त रुमसिह को उसके जेठ हीरालाल पर कुल्हाड़ी से हमला करते हुए देखा था। शर्मिला की साक्ष्य को अभियोजन के अन्य साक्षियों ने अपनी साक्ष्य से पुष्टि दी थी। परिणाम स्वरूप अभियुक्त रुमसिंह के विरुद्ध अपने पुत्र कि हत्या का अपराध प्रमाणित पाए जाने से उसे कठोर आजीवन कारावास से दंडित करने का कारण बना। आरोपी रुमसिग पिता गुमान सिंह भिलाला निवासी उपड़ी को दोषी सिद्ध होने पर तृतीय अपर सत्र न्यायालय के न्यायाधीश राजकुमार यादव ने आजीवन कारावास तथा 5000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

व्यक्तित्व विकास-करियर मार्गदर्शन संगोष्ठी आयोजित

मंडलेश्वर, निप्र । उमिया कन्या शिक्षा महाविद्यालय मंडलेश्वर में बीएड प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए व्यक्तित्व विकास एवं करियर मार्गदर्शन संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर एवं मैनेजमेंट गुरु डॉ. प्रियांश शिमले थे।अपने संबोधन में डॉ. शिमले ने कहा कि 'शिक्षक भविष्य का निर्माता होता है' तथा वर्तमान समय में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण शिक्षकीय सेवाओं में भी कड़ा प्रतियोगी वातावरण बन गया है। उन्होंने छात्राओं को साक्षात्कार में सफलता प्राप्त करने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए एवं आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास तथा प्रभावी संवाद कौशल पर विस्तार से चर्चा की।उन्होंने शिक्षकों के उत्तरदायित्वों

एवं समाज निर्माण में उनकी भूमिका को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विभिन्न समस्याओं से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. शिमले ने सरल एवं प्रेरणादायी तरीके से समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. प्रियांश शिमले का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन कमलकिशोर पाटीदार प्राचार्य डॉ. ब्रह्मप्रकाश शर्मा, प्रो. मीनू कुशवाह, प्रो. सोनालिका चौहान, प्रो. उर्वशी पाण्डेय, दीपक चौहान, अजय पटेल, दिनेश मेवाड़े, विधि पाटीदार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

खरगोन, निप्र । माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर, खरगोन (मेनगांव) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह जानकारी प्राचार्य आलोक कुमार श्रीवास्तव द्वारा दी गई। प्राचार्य श्री श्रीवास्तव ने बताया कि कक्षा 11वीं की रिक्त सीटों पर कक्षा 10वीं के प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। वर्तमान में कक्षा 11वीं में कुल 16 बालिकाओं की सीटें रिक्त हैं। इन सीटों पर प्रवेश के लिए इच्छुक छात्राएं 01 जून 2026 से 15 जून 2026 तक कन्या शिक्षा परिसर, खरगोन (मेनगांव) में स्वयं उपस्थित होकर आवेदन जमा कर सकती हैं। आवेदन के साथ पिछली कक्षा की अंकसूची एवं जाति प्रमाण पत्र की फोटो प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा। साथ ही आवेदन पत्र में कम से कम दो मोबाइल नंबर अंकित करना आवश्यक है। यह प्रवेश प्रक्रिया केवल अनुसूचित जनजाति वर्ग की छात्राओं के लिए है, जिनके द्वारा पिछली कक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए गए हों। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी के लिए इच्छुक छात्राएं निर्धारित तिथियों में शिक्षा परिसर से संपर्क कर सकती हैं।

हनुमानजी के स्थल को फिर से समतल-सुरक्षित बनाने की मांग

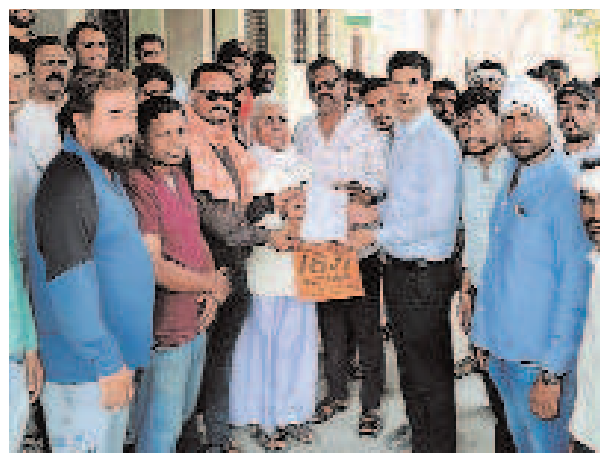

बड़वाह, निप्र । नर्मदा परिक्रमा मार्ग पर स्थित हनुमानजी स्थल की बिगड़ी दशा को लेकर श्रद्धालुओं में नाराजगी है। ग्राम सुलगांव सहित अन्य भक्तों ने वन विभाग को आवेदन देकर स्थल को पूर्ववत साफ-सुथरा और समतल बनाए जाने की मांग उठाई है।

आवेदन में बताया गया कि वन क्षेत्र के भीतर स्थित यह स्थान वर्षों से नर्मदा परिक्रमावासियों के अल्प विश्राम और पेयजल का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां साधु-संत, जैन समाज के सदस्य और अन्य श्रद्धालु भी रुकते हैं। आसपास कई किलोमीटर तक पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से यह स्थल यात्रियों के लिए राहत का केंद्र माना जाता है। भक्तों का आरोप है कि कुछ अज्ञात लोगों ने स्थल को खोदकर ऊबड़-खाबड़ और पथरीला बना दिया है। इससे यात्रियों को बैठने, ठहरने और पानी पीने में परेशानी हो रही है। साथ ही जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बढ़ गया है। भक्तों ने वन मंडलाधिकारी से मांग की है कि परिक्रमा मार्ग की इस महत्वपूर्ण जगह को जल्द पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए,ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। आवेदन में अरविंद ठाकुर, लक्की साहू,गुरु पंवार,ि नशांत सोनी, विजय परिहार, राहुल केवट, मोहित वर्मा, देवेंद्र केवट, अजय लखन, गोविंदा केवट, नरेश शर्मा, अतुल केवट सहित अन्य भक्त मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

खरगोन, निप्र । शासकीय कन्या महाविद्यालय खरगोन में इको क्लब के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना' रखी गई, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व पर व्यापक जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र मालीवाड़ ने वनों एवं खेतों की सुरक्षा के लिए आग से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम और एक पेड़ स्वयं के नाम' लगाने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। वहीं डॉ. छाया पटेल ने अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रकृति संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।डॉ. धर्मेन्द्र भालसे ने धरती पर पाए जाने वाले विभिन्न जीव-जंतुओं के संरक्षण की आवश्यकता बताते हुए जैव संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. आर.के. यादव ने विषैले पदार्थों के सेवन से बचाव, पर्यावरण संरक्षण एवं समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

मानवाधिकार सुरक्षा संघ की जिला स्तरीय बैठक कल

खरगोन, निप्र । आनंद नगर स्थित महाकारूणिक बुद्ध विहार में आगामी रविवार, 24 मई 2026 को एक विशेष धार्मिक एवं सांगठनिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा रचित महान ग्रंथ 'बुद्ध और उनका धम्म' का वाचन और मानवाधिकार सुरक्षा संघ की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न होगी।

कार्यक्रम का विवरण:- दिनांक: 24 मई 2026 (रविवार), समय: प्रात: 11:00 बजे से, स्थान: महाकारूणिक बुद्ध विहार, आनंद नगर, खरगोन

मुख्य आकर्षण:- कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक बुद्ध वंदना, त्रिशरण एवं पंचशील के पाठ के साथ होगी। इसके पश्चात बौद्धचार्य संजीव कुमार जी द्वारा डॉ. अम्बेडकर के कालजयी ग्रंथ 'बुद्ध और उनका धम्म' का वाचन किया जाएगा, जिसमें बुद्ध के विचारों और धम्म की वैज्ञानिक व्याख्या पर प्रकाश डाला जाएगा।

सांगठनिक बैठक और परिचय सम्मेलन:- धार्मिक अनुष्ठान के संपन्न होने के उपरांत 'मानवाधिकार सुरक्षा संघ' खरगोन की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में जिले के नवनियुक्त एवं वर्तमान पदाधिकारियों का परिचय सम्मेलन होगा। साथ ही, आगामी कार्ययोजनाओं और समाज में मानवाधिकारों के संरक्षण को लेकर चर्चा की जाएगी।

अपील:- मानवाधिकार सुरक्षा संघ के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपील की है कि सभी प्रबुद्धजन और समाजजन अधिक से अधिक संख्या में समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

एक नजर में संस्था के निदेशक डॉ. निशांत दुबे के मार्गदर्शन में किए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

जेआईटीएम बोरावां ने किया संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र । जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड मैनेजमेंट बोरावा द्वारा दिनांक 20 मई 2026 को संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत आशा निकेतन वृद्धाश्रम खलघाट में विशेष सामुदायिक सेवा एवं संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के निदेशक डॉ. निशांत दुबे के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें 46 छात्र स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम से वृद्धाश्रम के लगभग 30 निवासी लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों को भावनात्मक संबल, आत्मीयता एवं सम्मान प्रदान करना तथा विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदनशीलता एवं मानवीय मूल्यों का विकास करना था। इस दौरान एक

अत्यंत भावुक क्षण तब सामने आया, जब यह ज्ञात हुआ कि कई वृद्धजनों को अपनी जन्मतिथि की जानकारी तक नहीं है। इस अवसर को विशेष एवं यादगार बनाते हुए सभी वृद्धजनों के लिए सामूहिक जन्मदिन समारोह आयोजित किया गया। निदेशक डॉ. निशांत दुबे की उपस्थिति में केक काटा गया तथा वृद्धजनों के चेहरों पर खुशी एवं अपनत्व की मुस्कान देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं वृद्धजनों ने मिलकर मनोरंजक खेल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, गीत-संगीत एवं नृत्य गतिविधियों में सहभागिता की। पारंपरिक गीतों, भजनों एवं गरबा की धुनों ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। विद्यार्थियों ने वृद्धजनों के साथ बैठकर आइसक्रीम का आनंद लिया तथा उनके जीवन अनुभवों एवं प्रेरणादायक कहानियों को सुना, जिससे एक आत्मीय एवं भावनात्मक वातावरण निर्मित हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा वृद्धजनों को ससम्मान दोपहर का भोजन परोसा गया। विद्यार्थियों ने पूरे आदर एवं आत्मीयता के साथ उन्हें अपने परिवारजनों जैसा सम्मान दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए उपहार वितरित किए गए, जिन्हें पाकर वृद्धजन अत्यंत भावुक एवं प्रसन्न हुए। इस अवसर पर जेआईटीएम बोरावा की ओर से निदेशक डॉ. निशांत दुबे द्वारा पवित्र श्रीमद् भगवद् गीता की एक प्रति आशा निकेतन वृद्धाश्रम को भेंट स्वरूप प्रदान की गई, जो वहाँ निवासरत वृद्धजनों के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा एवं मानसिक शांति का माध्यम बनेगी। कार्यक्रम का संचालन प्रो. वेदांशी प्रजापत ने किया। इस अवसर पर प्रो. हर्षिता अग्रवाल, प्रो. यशस्वी पाठक, दीपांशु यादव एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। अपने संदेश में पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए इस आयोजन को समाज सेवा एवं मानवीय मूल्यों की दिशा में विशिष्ट एवं प्रेरणादायी पहल बताया।